

## उत्तराखण्ड में सड़कों से जुड़ेंगे 100 से अधिक जनसंख्या वाले जनजातीय क्षेत्र

### चर्चा में क्यों?

20 दिसंबर 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री जनजाति आदवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत उत्तराखण्ड के जनजातीय वाले ऐसे क्षेत्रों को सड़कों से जोड़ा जाएगा, जिनकी आबादी 100 से अधिक है।

### प्रमुख बिंदु

- इस अभियान के अंतर्गत उत्तराखण्ड को अभी तक चार सड़कें और आठ पुल मिले हैं।
- पीएम ग्राम सड़क योजना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कर्मेंद्र सहि ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत उत्तराखण्ड में प्रथम चरण में देहरादून जिले की हसनपुर, हरदिवार की जसपुर चमरिया, चंपावत की खरिदवाड़ी और पथौरागढ़ की छपिलतरा बसावटों को सड़क मार्गों से जोड़ने के लिए चयन किया गया है।
- उत्तराखण्ड में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की नोडल एजेंसी यूआरआरडीए (उत्तराखण्ड रूरल रोड डेवलपमेंट एजेंसी) को सड़क और पुलों के निर्माण की जिम्मेदारी दी गई है।
- कर्मेंद्र सहि ने बताया कि इस योजना के तहत 2 कमी से लेकर 13 कमी तक की सड़क बनाई जाएगी।
- वदिति हो कि उत्तराखण्ड में पांच जनजातियां भोटिया, थारू, जौनसारी, बोक्सा और राजी नवास करती हैं। इन्हें वर्ष 1967 में अनुसूचित जनजाति घोषित किया गया था। इनमें से बोक्सा और राजी विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) में शामिल हैं।
- गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर 2023 को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर खूटी, झारखण्ड से इस अभियान की घोषणा की थी।



PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/tribal-areas-with-population-more-than-100-will-be-connected-by-roads-in-uttarakhand>

